SWAच्छ VAARTA

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत

स्वच्छ पर्वों का उत्सव

स्वच्छ भारत मिशन- शहरी 2.0
न्यूज़लेटर

INDEX

स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत — Pg 4 - 16

77वें गणतंत्र दिवस का उत्सव — Pg 17 - 21

राष्ट्रीय युवा दिवस — Pg 22

NARC — Pg 23

केंद्रीय बजट 2026-27 — Pg 24 - 25

नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 — Pg 26

मन की बात — Pg 27 - 28

केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में शहरी विकास पर राज्यों के साथ चर्चा — Pg 29 - 30

राज्य मंत्री के नेतृत्व में राज्यों के साथ शहरी विकास पर महत्वपूर्ण चर्चा — Pg 31-32

स्वच्छता खबरों में — Pg 33-34

सोशल मीडिया ट्रेंड्स — Pg 35

"हमें स्वच्छता के लिए व्यक्तिगत तौर पर या फिर टीम के तौर पर अपने प्रयास बढ़ाने होंगे, तभी हमारे शहर और बेहतर बनेंगे।"

श्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री, भारत

स्वच्छ पर्वों का उत्सव

भारत में त्योहार केवल आनंद के क्षण नहीं हैं—वे साझा मूल्यों, परंपराओं और सामूहिक भावना की अभिव्यक्ति हैं। इस उत्सव के मौसम में, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) एक सशक्त संदेश प्रसारित कर रहा है: उत्सव तभी सच्चे अर्थों में फलते-फूलते हैं जब वे स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल हों। स्वच्छ भारत के लिए एक व्यापक व्यवहार परिवर्तन अभियान — "स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत" — के अंतर्गत आइए, हम स्वच्छ त्योहार मनाएँ। मुख्य ध्यान स्वच्छ आदतों को अपनाने हेतु व्यवहार परिवर्तन पर होगा, जो अंततः चरित्र और संस्कृति का हिस्सा बन जाएगा — स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता। पोंगल से बीहू तक, मकर सक्रांति से माघ

मेला तक, उत्सव की भावना को सजग विकल्पों, पर्यावरण-अनुकूल रंगों, प्राकृतिक सजावट, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, गीले कचरे के कम्पोस्टिंग और "वेस्ट से वेल्थ" नवाचारों के माध्यम से एक नई ऊँचाई दी जा रही है। शहरों और कस्बों में नागरिक स्वच्छ आदत को एक बार का काम नहीं, बल्कि जीवनशैली के रूप में अपना रहे हैं। यह केवल त्योहारों तक सीमित नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का हिस्सा बन रहा

है। जैसे-जैसे उत्सव की उमंग घरों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर फैल रही है, एक स्पष्ट संदेश पूरे देश में गूंज रहा है— त्योहार और स्वच्छता साथ-साथ चलते हैं। ये जन-भागीदारी से प्रेरित उत्सव जन आंदोलन की भावना को दर्शाते हैं, जहां व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता मिलकर पर्यावरण की रक्षा करती है। हर स्वच्छ उत्सव के साथ, भारत स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0 के अंतर्गत कचरा मुक्त शहरों के लक्ष्य के और निकट पहुँच रहा है।

स्वच्छ पर्वों का उत्सव

तमिलनाडु

तमिलनाडु ने पोंगल को पर्यावरण-अनुकूल सजावट और स्थानीय फूलों के साथ मनाया। उत्सव के बाद पुष्प अपशिष्ट का कम्पोस्ट बनाकर zero waste और “स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत” के संदेश को सुदृढ़ किया गया।

करनाल, हरियाणा

लोहड़ी के अवसर पर करनाल म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में स्वच्छ लोहड़ी मनाई गई। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक स्वच्छता शपथ ली गई।

सिद्दीपेट, तेलंगाना

लोहड़ी के अवसर पर करनाल म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में स्वच्छ लोहड़ी मनाई गई। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक स्वच्छता शपथ ली गई।

आगरा, उत्तर प्रदेश

आगरा नगर निगम ने मकर संक्रांति को जीरो वेस्ट कार्यक्रम के साथ मनाया। इस अवसर पर सफाईमित्रों को सम्मानित किया गया और डस्टबिन के सही उपयोग पर आधारित स्वच्छता शपथ और नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया।

स्वच्छ पर्वों का उत्सव

बोंगाईगांव, असम

तमिलनाडु ने पोंगल को पर्यावरण-अनुकूल सजावट और स्थानीय फूलों के साथ मनाया। उत्सव के बाद पुष्प अपशिष्ट का कम्पोस्ट बनाकर zero waste और "स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत" के संदेश को सुदृढ़ किया गया।

दिल्ली

दिल्ली के नागरिकों ने सरस्वती पूजा को सतत तरीके से मनाया, पर्यावरण-अनुकूल सजावट का उपयोग किया, जिसमें पुष्प और हस्तनिर्मित क्रोशे सजावट शामिल थी, ताकि "स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत" का संदेश फैलाया जा सके।

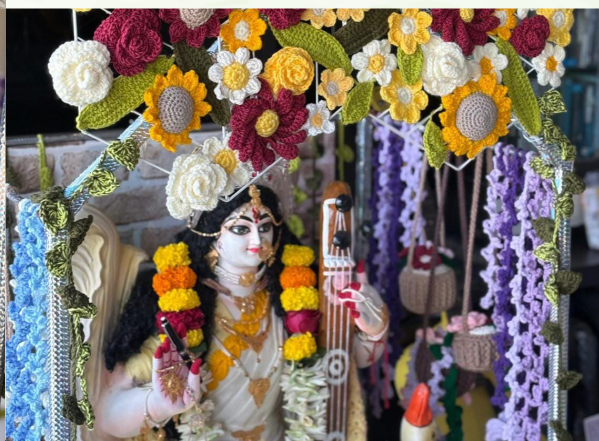

अहमदाबाद

अहमदाबाद की टीम स्वच्छ ने उत्तरायण पतंग महोत्सव के बाद सफाई अभियान के लिए परेवदा चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ हाथ मिलाया, और निकोल–विराटनगर में 170 किलोग्राम से अधिक कचरा एकत्र किया।

जयपुर, राजस्थान

जयपुर नगर निगम ने मकर संक्रांति पर पतंगों का उपयोग करके स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलायी, और नागरिकों को स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत तक की प्रतिबद्धता को दोबारा अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जीरो वेस्ट कार्यक्रम

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
3 जनवरी - 15 फरवरी, 2026

लाखों श्रद्धालुओं के आगमन के साथ,व्यापक स्वच्छता उपाय -मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता का बुनियादी ढांचा, दैनिक सफाई अभियान, IEC गतिविधियां और जमीनी निगरानी - यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मेला स्वच्छ, स्वास्थयपूर्ण और जिम्मेदार बने।

माघ मेला स्थलों पर जीरो वेस्ट भंडारे आयोजित किए जा रहे हैं। जहां 1,000 श्रद्धालुओं को स्स्टेनेबल बर्तनों में भोजन परोसा जा रहा है और प्लास्टिक-मुक्त प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

स्वच्छ माघ मेला

हर दुकान दस्तक अभियान के अंतर्गत स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा रहा है, पॉलीथीन के उपयोग और पुष्प अपशिष्ट के जल में विसर्जन को समाप्त किया जा रहा है, तथा दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक, स्वच्छता और कचरा निपटान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

3,300 से अधिक सफाई कर्मियों ने घाटों और मेला क्षेत्र में चौबीसों घंटे स्वच्छता सुनिश्चित की। निरंतर दिन-रात सफाई, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, त्वरित कचरा संग्रहण तथा नागरिकों द्वारा निर्धारित निस्तारण स्थलों के पालन के माध्यम से स्वच्छ व्यवस्था बनाए रखी गई।

संगम मार्गों पर स्थित सभी शौचालयों की प्रतिदिन चार बार सफाई की जा रही है। समर्पित स्वच्छता एवं आईईसी टीमों के सहयोग से तथा निरंतर कंट्रोल रूम निगरानी के माध्यम से श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित किया जा रहा है।

24×7 स्वच्छता अभियान के अंतर्गत प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र, ई-वाहनों का उपयोग, प्रत्येक 100 मीटर पर डस्टबिन की व्यवस्था तथा समर्पित सफाई कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है।

जीरो वेस्ट कार्यक्रम

आगरा, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के अवसर पर आगरा नगर निगम ने एक जीरो वेस्ट कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 5R थीम पर आधारित स्टॉल लगाए गए, जिनके माध्यम से 1,000 से अधिक विद्यार्थियों और 2,000 से अधिक नागरिकों को कचरा पृथक्करण, कम्पोस्टिंग और प्लास्टिक के विकल्पों के बारे में जागरूक किया गया, ताकि “स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत” को बढ़ावा दिया जा सके।

पटना, बिहार

पटना में बिहार सरस मेला को एक जीरो वेस्ट कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया। आगंतुकों से प्लास्टिक के विकल्प अपनाने और जिम्मेदार कचरा पृथक्करण का पालन करने का आग्रह किया गया।

भोपाल, मध्य प्रदेश

टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित ‘रन भोपाल रन मैराथन’ एक ज़ीरो वेस्ट कार्यक्रम था। स्टेडियम में उत्पन्न सभी कचरे को स्थल पर ही अलग-अलग किया और निर्धारित निपटान केंद्रों तक पहुंचाया गया।

गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

खिचड़ी मेला में टीम स्वच्छ गोरखपुर ने सघन सफाई अभियान, प्रभावी कचरा संग्रहण तथा नए RRR सेंटर के उद्घाटन के माध्यम से जीरो वेस्ट प्रथाओं को सुनिश्चित किया। साथ ही, आगंतुकों से स्वच्छ भारत के लिए स्वच्छ आदत अपनाने का आह्वान किया गया।

प्लास्टिक फ्री पहल

बीकानेर, राजस्थान

बीकानेर ने कैमल फेस्टिवल में स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत को बढ़ावा दिया, विदेशी पर्यटकों से सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बचने का आग्रह किया और पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी की बोतलें वितरित कीं, जिससे #PlasticFreeIndia का संदेश वैश्विक स्तर पर फैलाया गया।

नई दिल्ली

NDMC ने चिंतन स्वयं सहायता समूह के साथ मिलकर सरोजिनी नगर मार्केट में प्लास्टिक एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया, ताकि कचरा फैलाने को रोका जा सके और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दिया जा सके। यह पहल खरीदारों और विक्रेताओं को प्रेरित करती है कि वे प्लास्टिक कचरे को किसी उपयोगी वस्तु के साथ बदलें, ताकि शहर और स्वच्छ बना रहे।

सेंडुर, कर्नाटक

कर्नाटक में, युवा विद्यार्थियों ने सेंडुर नगर परिषद के साथ मिलकर प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक साइकिल रैली और बस स्टैंड पर एक लघु नाटक आयोजित किया।

इंदौर, मध्य प्रदेश

इंदौर ने आकाश ग्रीन्स में स्वच्छता को बढ़ावा देने और सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर रोक लगाने के लिए एक बाइक रैली आयोजित की। Mhow Riders Group के सदस्यों ने इसमें भाग लिया, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचने की शपथ ली और RRR सेंटर द्वारा बनाई गई कपड़े की थैलियाँ प्राप्त कीं।

प्लास्टिक फ्री पहल

पुरी, ओडिशा

500 किलोग्राम प्लास्टिक की बोतलों को रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने गोपालपुर बीच महोत्सव, गंजाम में एक प्रभावशाली कलाकृति में रूपांतरित किया, जो सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहने का संदेश फैलाता है।

जमशेदपुर, झारखंड

जमशेदपुर के बिस्तुपुर की सड़कों पर 30,000 से अधिक नागरिक सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ एकजुट हुए। इस सड़क प्रदर्शन ने कचरा पृथक्करण, घर पर खाद बनाने और स्वच्छता के लिए सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा दिया।

कुन्नुमपुरम, केरल

#SUP के उपयोग को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए, सीबीसी केरल और लक्षद्वीप टीम द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान के दौरान कुन्नुमपुरम स्थित चिन्मय विद्यालया के छात्रों को पेपर और पेन वितरित किए गए।

जम्मू-कश्मीर

सैकड़ों नागरिकों ने तवी नदी तट पर मानव श्रृंखला बनाई और नदी की रक्षा करने का संकल्प लिया। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करना, पूजा-अर्चना के लिए निर्धारित विसर्जन पात्र का उपयोग करना और नदी के किनारों को साफ रखने की समझाइश शामिल थी।

स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत के लिए बच्चों की पहल

आगरा नगर निगम ने ताज ईस्ट गेट मार्केट में चार-बिन जागरूकता अभियान आयोजित किया। जहां बच्चों और नागरिकों ने मजेदार व इंटरैक्टिव फ्लोर गेम्स के माध्यम से कचरा पृथक्करण सीखा और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई।

बीकानेर में 800 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने जीरो वेस्ट चिल्ड्रन फेस्टिवल में एक मनोरंजक और ज्ञानवर्धक अनुभव प्राप्त किया। स्टेडियम में आयोजित 80 से अधिक आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छ आदतों, 4-बिन अवधारणा, Reduce Reuse Recycle, वेस्ट टू आर्ट तथा सिंगल यूज प्लास्टिक से बचाव को बढ़ावा दिया गया।

300 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने स्वच्छ गृह कलिका केंद्र में आयोजित एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। जहां **दावणगेरे** की टीम स्वच्छ ने उन्हें स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, कम्पोस्टिंग और सतत विकास के बारे में जागरूक किया।

छत्तीसगढ़ में, रायपुर के रेडिएंट वे स्कूल ने 'ब्लेसिंग बॉक्स' नामक एक अनूठी पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य Reduce, Reuse और Recycle के सिद्धांतों को नवाचारी तरीके से बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत 400 बच्चों द्वारा दान की गई वस्तुओं को 300 जरूरतमंद बच्चों में वितरित किया गया।

स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत के लिए बच्चों की पहल

चंडीगढ़ की युवा आउटरीच पहल के तहत, अंकुर स्कूल के विद्यार्थियों ने कचरा पृथक्करण और पुनर्चक्रण के बारे में सीखने के लिए पिंक एमआरएफ एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का दौरा किया। इसके बाद टीम स्वच्छ के साथ संवाद सत्र आयोजित किया गया और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

डिफेंस स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने स्वच्छता के लिए साइकिल रैली निकालने हेतु **जयपुर** नगर निगम के साथ साझेदारी की और इस रैली को स्वच्छता के लिए एक सशक्त संदेश में बदल दिया।

पानीसागर नगर पंचायत ने 'स्वच्छ वॉरियर' नामक एक विद्यालय-स्तरीय आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) अभियान शुरू किया। जिसमें विद्यार्थियों ने लाइव प्रदर्शन में भाग लिया और कचरा पृथक्करण तथा उसके महत्व के बारे में विस्तार से सीखा।

"स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत" की भावना को सशक्त बनाने के लिए युवा कलाकारों ने 'ज़िग-ज़ैग स्वच्छ गली' कार्यक्रम के दौरान **डिब्रूगढ़** नगर निगम के साथ मिलकर स्थानीय गलियों को जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के जीवंत प्रतीकों में बदल दिया।

स्वच्छता अभियान और प्लोगाथॉन

बांदीपोरा, जम्मू और कश्मीर

जम्मू और कश्मीर की टीम स्वच्छ के नेतृत्व में स्वच्छतंत्र 2.0 अभियान के तहत, बांदीपोरा नगर परिषद, स्थानीय औकाफ समिति और स्वच्छता चैंपियनों ने नाथपोरा जलाशय में एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया। इस दौरान 100 किलो प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया और बाद में वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण के लिए भेजा गया।

नवलगुंड, कर्नाटक

कर्नाटक के नवलगुंड नगरपालिका ने तालुक स्तर के अधिकारियों, नगरपालिका कर्मचारियों, पर्यावरणविदों और नागरिकों की भागीदारी के साथ एक बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया, और स्वच्छता रैली और जमीनी स्तर पर कार्रवाई के माध्यम से स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत के संदेश को सुदृढ़ किया।

नवी मुंबई, महाराष्ट्र

विश्व आर्द्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य में, नवी मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पाम बीच, नेरुल में एक नाले के किनारे स्वच्छता अभियान चलाया। लगभग 150 स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से प्लास्टिक और थर्माकोल कचरे के 125 बोरे हटाए, जिससे आर्द्रभूमि और समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा के प्रयासों को बल मिला।

नागांव, असम

नागांव नगर परिषद ने NCAP और युवा विद्यार्थियों के सहयोग से आरकेबी रोड पर एक प्लॉग रन का आयोजन किया। इसमें लगभग 250 प्रतिभागियों ने चिन्हित कचरा स्थानों की सफाई की और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश फैलाया।

स्वच्छता अभियान और प्लोगाथॉन

श्री विजयपुरम, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह

श्री विजयपुरम नगर परिषद के नेतृत्व में मरीना पार्क बीच पर चलाए गए एक व्यापक स्वच्छता अभियान के दौरान, 80 से अधिक स्वयंसेवकों ने 280 किलोग्राम कचरा एकत्र किया, साथ ही समुद्र तट की स्वच्छता और कचरा पृथक्करण के बारे में जागरूकता फैलाई।

गुरुवायुर, केरल

केरल के गुरुवायुर नगर पालिका ने बस स्टेशनों पर एक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया, ताकि नागरिकों में स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस अभियान में नगरपालिका कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों की सक्रिय भागीदारी रही।

यमुनानगर–जगधरी, हरियाणा

यमुनानगर–जगधरी नगर निगम ने स्वच्छता और प्लास्टिक-मुक्त शहर को बढ़ावा देने के लिए एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया, जिसमें मुकंद लाल नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिल्ली

दिल्ली नगर निगम ने सफाईमित्रों के सहयोग से उत्तरी दिल्ली के विभिन्न वार्डों में एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमें सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गई और “स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत” का संदेश फैलाया गया।

लेगेसी वेस्ट डंपसाइट्स का सुधार एवं परिवर्तन

लेगेसी वेस्ट को नया जीवन: चेन्नई के पेरुंगुडी में 30 लाख टन कचरे का रूपांतरण

चेंन्नई के पेरुंगुडी में, एक लैंडफिल जो कभी शहर के कचरे के संकट का प्रतीक था, धीरे-धीरे गायब हो रहा है। यह 250 एकड़ में फैला है, जिसमें से 225 एकड़ में तीन दशकों में जमा लगभग 30 लाख टन पुराने कचरे का भंडारण था। यह डंपसाइट गंभीर पारिस्थितिक क्षति, जहरीली हवा और शहर में बढ़ रहे कचरे के दबाव का कारण बन रहा था। नवंबर 2020 में, स्वच्छ भारत मिशन–अर्बन 2.0 के तहत ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने चेन्नई स्थित ब्लू प्लैनेट के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर बायोमाइनिंग शुरू की। पुराने कचरे को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित कर पुनर्प्राप्त स्ट्रीम्स में बदला गया—जैविक समृद्ध मिट्टी का पुन: उपयोग भूमि पुनर्स्थापन के लिए किया गया, पत्थर और एग्रीगेट्स का उपयोग नीची जगहों को भरने के लिए किया गया, और इनर्ट सामग्री को IS-383:2016 निर्माण मानकों के अनुसार संसाधित किया गया। चेन्नई की कंपनियों ने इस पुनर्नवीनीकृत सामग्री को नदी की रेत के विकल्प के रूप में अपनाया, जिससे रेत खनन में भी कमी आई। चेन्नई प्रतिदिन लगभग 5,500 टन कचरा उत्पन्न करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा पहले पेरुंगुडी और कोडुंगैयुर पहुंचता था। आज, पेरुंगुडी का कचरे का पहाड़ सिकुड़ रहा है, और यह परियोजना लगभग एक साल पहले ही पूरी हो गई, जिससे पुराने कचरे के प्रसंस्करण और RDF चैनलाइजेशन में राष्ट्रीय मानक स्थापित हुए। इस पहल से सालाना 8 लाख टन से अधिक CO_2 उत्सर्जन से बचा जा रहा है, साथ ही वैकल्पिक ईंधन के उपयोग से अतिरिक्त 30,000+ टन बचाए गए हैं। परियोजना ने निर्माण-ग्रेड रेत, पुनर्नवीनीकृत फर्नीचर, सीमेंट प्लांट के लिए ईंधन, पुनर्प्राप्त स्टील का बर्तन और हार्डवेयर में पुन: उपयोग, और लगभग 3,000 टन कांच की बोतलों में पुनर्चक्रण के माध्यम से राजस्व उत्पन्न किया है। प्लास्टिक कचरा, जिसे कभी पुनर्चक्रण योग्य नहीं माना जाता था, अब बाहरी फर्नीचर, पैलेट, रैंप और शहरी अवसंरचना में बदल दिया गया है—जिसे 7–8 बार पुन:चक्रित किया जा सकता है। आज, जहां कभी कचरा जलाया जाता था, वहां एक हरा-भरा पार्क खड़ा है। पल्लिकरणई दलदल पुनर्जीवित हो रहा है, 115 पक्षी प्रजातियां लौट रही हैं, जो दिखाता है कि पेरुंगुडी कैसे एक डंपिंग स्थल से सर्कुलर इकोनॉमी और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन का मॉडल बन गया है।

लेगेसी वेस्ट डंप साइट पर बायो-माइनिंग प्रक्रिया

रीसाइकल किए गए प्लास्टिक से निर्मित सड़कें

लेगेसी वेस्ट डंपसाइट्स का सुधार एवं परिवर्तन

कूड़े के पहाड़ से स्वच्छता की मिसाल तक: स्वच्छ राष्ट्र की नई पहचान

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 20 वर्षों से मुश्किलों का सबब बना हुआ था घैला डंपसाइट

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कभी मुश्किलों का सबब रहा 'घैला डंपसाइट' अब अद्भुत कायाकल्प का साक्षी बनकर एक भव्य पार्क के रूप में शहर की नई पहचान बन चुका है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) 2.0 के सहयोग से लखनऊ नगर निगम (LMC) ने करीब 30 एकड़ में फैले 20 साल पुराने कचरे के पहाड़ को हटाकर अब तकरीबन 65 एकड़ भूमि पर भव्य 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का निर्माण किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर यह पार्क जनता को समर्पित किया, जिसका रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद श्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में लोकार्पण किया गया। लखनऊ में यह 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' बसंत कुंज में सीतापुर और हरदोई रोड के बीच दुबग्गा के पास गोमती नदी के किनारे बनाया गया है। पहले यहां घैला डंपसाइट पर पिछले दो दशकों से लगभग 8 लाख मीट्रिक टन पुराना कचरा जमा था। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2021 में शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट ने महज डेढ़ साल के भीतर, कचरे के विशाल ढेर को पूरी तरह समाप्त कर दिया। कुछ इस तरह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में 'कचरा मुक्त शहर' के आह्वान को हकीकत में बदलते हुए, लखनऊ नगर निगम (LMC) ने इस बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य को संभव कर दिखाया।

'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' नाम के पीछे की प्रेरणा : इस स्थान का नाम 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' रखने का उद्देश्य इसे एक ऐसा केंद्र बनाना है, जहां से भावी पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण का पाठ पढ़ाया जा सके और राष्ट्रवाद की भावना से जोड़ा जा सके। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन के दौरान इस बात पर खास जोर दिया कि यह स्थल 'वेस्ट टू वेल्थ' और 'वेस्ट टू वेलनेस' का सबसे सटीक उदाहरण है।

प्रेरणा स्थल की प्रमुख खूबियां : राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर तीन महानायकों — पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 65-65 फीट ऊंची विशाल कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जो देश की एकता, अंत्योदय और सुशासन का संदेश देती हैं। यहां एक अत्याधुनिक म्यूजियम और डिजिटल गैलरी बनाई गई है, जो इन महापुरुषों के जीवन और संघर्ष की गाथा को प्रदर्शित करती है। इस स्थल पर 3,000 की क्षमता वाला ओपन-एयर थिएटर और प्रदर्शनी मैदान तैयार किए गए हैं। साथ ही, नागरिकों के लिए योग व ध्यान केंद्र, सेमिनार रूम और वीआईपी लाउंज जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

श्री विजय पुरम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान श्री विजय पुरम की झांकी में जिम्मेदारीपूर्ण अपशिष्ट प्रबंधन और ट्विन-बिन की अवधारणा को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

पुणे, महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस पर, पुणे ने 'स्वच्छता जनजागृति रथ 2026' शुरू किया, जिसके जरिए शहर को कचरा अलग करने, रीसाइक्लिंग और लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया

77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की स्वच्छ भारत मिशन (SBM) झांकी ने परेड ग्राउंड की शोभा बढ़ाई, जिसमें घर-घर से कचरा संग्रहण, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, स्वच्छ सारथी क्लब, प्लास्टिक-मुक्त अभियान और स्वच्छ सार्वजनिक शौचालयों को प्रदर्शित किया गया।

करनाल, हरियाणा

करनाल में स्वच्छता झांकी ने 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' के आदर्शों को मजबूत किया, जिसमें चार-बिन कचरा पृथक्करण और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली पर विशेष जोर दिया गया।

77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

बीकानेर, राजस्थान

बीकानेर की SBM झांकी ने 'स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत' का संदेश सशक्त रूप से दर्शाया। इसमें चार-बिन पृथक्करण, SHG के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, आधुनिक महिला शौचालयों और वैज्ञानिक कचरा प्रसंस्करण के जरिए एक प्लास्टिक-मुक्त शहर का प्रदर्शन किया गया।

भिलाई, छत्तीसगढ़

दुर्ग के भिलाई नगर निगम की स्वच्छता झांकी ने कचरा पृथक्करण, गंदगी न फैलाने, एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने और शहर को स्वच्छ रखने के प्रति नागरिकों की जागरूकता बढ़ाई।

77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस के अवसर पर, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) ने शहर को पर्यावरण के अनुकूल फूलों की सजावट से सुसज्जित कर 'स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत' की भावना को जीवंत कर दिया।

असम

असम में नागरिकों और युवाओं ने टीम स्वच्छ के साथ गणतंत्र दिवस मनाया और खास स्वच्छ आदतों को बढ़ावा दिया, जिसमें कचरा अलग-अलग करना, कूड़ा न फैलाना या न थूकना, सिंगल-यूज प्लास्टिक को ना कहना और रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल शामिल हैं।

नवी मुंबई, महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस के मौके पर खारघर, नेरुल और ऐरोली के 150 के करीब NSS स्टूडेंट्स ने नवी मुंबई में सफाई अभियान चलाया, जिसमें कचरा इकट्ठा किया गया और स्वच्छता का संकल्प लिया गया।

उदयपुर, त्रिपुरा

त्रिपुरा में उदयपुर म्युनिसिपल काउंसिल के साथ मिलकर लोगों ने गणतंत्र दिवस के मौके पर एक स्वच्छता रैली निकाली, जिसमें 'स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत' की भावना को मजबूती दी गई।

77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

आगरा, उत्तर प्रदेश

आगरा नगर निगम ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट 'आर्ट वॉल' प्रस्तुत की, जिसमें तिरंगे की विकास यात्रा और स्वच्छ भारत मिशन के सफर को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया गया।

बुरहानपुर, मध्य प्रदेश

गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के बाद, मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 'सफाईमित्रों' ने नेहरू स्टेडियम में एक 'पोस्ट-इवेंट स्वच्छता अभियान' चलाया, ताकि आयोजन स्थल पर तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित की जा सके।

संबलपुर, ओडिशा

संबलपुर के स्वच्छता कर्मियों ने एक स्वच्छता रैली में भाग लिया, जो एक स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त संबलपुर के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

दिल्ली

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, MCD के दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय में आगंतुकों का स्वागत 'वेस्ट-टू-आर्ट' की एक आकर्षक प्रदर्शनी से किया गया। इसे खेलने के पुराने सामान, पाइपों और कूड़ेदानों के पहियों जैसे बेकार सामानों से तैयार किया गया था।

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी, 2026

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर, प्रयागराज नगर निगम ने छात्रों के सहयोग से 'सतत भविष्य के लिए युवा सशक्तीकरण' को बढ़ावा देने हेतु एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें फूलों से बनी रंगोली और 200 से अधिक लोगों की भागीदारी वाली एक मानव श्रृंखला मुख्य आकर्षण रहे।

सागर, मध्य प्रदेश

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पथरिया जाट, सागर (मध्य प्रदेश) के NSS और रेड रिबन क्लब ने स्वच्छता को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

आगरा, उत्तर प्रदेश

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवा छात्रों ने आगरा नगर निगम के साथ मिलकर 'ताज ईस्ट गेट' से 'कुत्ता पार्क' तक एक जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने जिम्मेदार कचरा प्रबंधन और एकल-उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन को बढ़ावा दिया, साथ ही दुकानदारों और विक्रेताओं को 'जीरो-वेस्ट सिटी' बनाने में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की 16वीं बैठक

29 जनवरी, 2026

SBM-U 2.0 के तहत विभिन्न घटकों के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की योजनाओं का अनुमोदन, MoHUA सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सलाहकार और समीक्षा समिति (NARC) द्वारा किया जाता है। 16वीं NARC का आयोजन 29 जनवरी 2026 को किया गया था। बैठक के दौरान 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (केरल, लद्दाख, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, उत्तराखंड और ओडिशा) के प्रस्तावों पर विचार किया गया।

केंद्रीय बजट
2026-27

प्रमुख झलकियां

तीन कर्तव्य। एक दिशा।

बजट 2026 युवाओं की शक्ति और इकोसिस्टम-आधारित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है।

आर्थिक विकास को गति देना और बनाए रखना

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना

सभी के लिए संसाधनों और अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करना

5 सिटी इकोनॉमिक रीजन (CERs) — टियर 2, टियर 3 और मंदिर वाले शहरों को लक्षित करना

- टियर 2, टियर 3 शहरों और प्रमुख मंदिर वाले शहरों पर केंद्रित 'सिटी इकोनॉमिक रीजन्स' (CERs) का विकास, ताकि विकास को बड़े महानगरों से बाहर फैलाया जा सके।
- सुधार और परिणाम से जुड़ी वित्तीय व्यवस्था के तहत, प्रत्येक CER के लिए 'चैलेंज मोड' में 5 वर्षों के दौरान ₹5,000 करोड़ आवंटित किए जाएंगे, ताकि बुनियादी शहरी ढांचे को मजबूत किया जा सके, नागरिक सेवाओं में सुधार हो और क्षेत्रीय आर्थिक क्षमता को उभारा जा सके।
- इन शहरी केंद्रों को आत्मनिर्भर विकास केंद्र बनाने, कनेक्टिविटी बढ़ाने, पर्यटन, नौकरियों और निजी निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान।
- शहरों के बीच "ग्रोथ कनेक्टर्स" के रूप में कार्य करने के लिए सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की भी घोषणा की गई।

बायो CBG मिश्रित CNG पर टैक्स में छूट

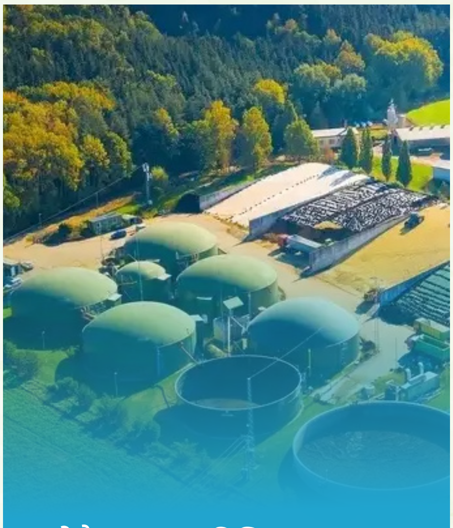

बायोगैस/CBG मिश्रित CNG पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क की गणना करते समय बायोगैस के पूरे मूल्य को बाहर रखा जाएगा।

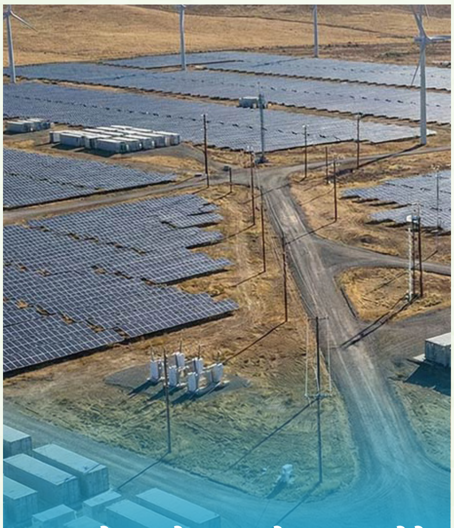

CBG के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए टैक्स में बड़ी छूट, जिसमें CBG और उससे जुड़े इक्विपमेंट पर 5% GST रेट शामिल है

यह तेल और गैस कंपनियों को बायो CBG मिश्रण (blending) बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

नए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (SWM) नियम

नए SWM रूल्स नोटिफ़ाई कर दिए गए हैं और 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। नए नियमों में कई ऐसे पहलू शामिल हैं, जिनके लिए MoHUA को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और शहरी स्थानीय निकायों के साथ मिलकर लगातार काम करना होगा, ताकि उन्हें तैयार किया जा सके और क्षमता बढ़ाई जा सके, जिससे नियमों के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। इनमें से कुछ क्षेत्र शामिल हैं:

- स्रोत पर ठोस कचरे का चार श्रेणियों में पृथक्करण
- बल्क वेस्ट जेनरेटर्स (BWGs) की स्पष्ट जिम्मेदारियां और 'एक्सटेंडेड बल्क वेस्ट जेनरेटर रिस्पॉन्सिबिलिटी' (EBWGR) के माध्यम से उनका प्रबंधन।
- 'प्रदूषक भुगतान करे' सिद्धांत (Polluter Pays Principle) के आधार पर, नियमों के उल्लंघन के लिए पर्यावरणीय मुआवजा लगाने के लिए सक्षम तंत्र।
- औद्योगिक इकाइयों में रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (RDF) के उपयोग की अनिवार्यता
- एक केंद्रीकृत पोर्टल पर संपूर्ण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) श्रृंखला का पंजीकरण और निगरानी
- बिना प्रोसेस किए कचरे और C&D कचरे के लिए सैनिटरी लैंडफिल का फीस आधारित ऑपरेशन
- सेंट्रलाइज़्ड पोर्टल पर पूरी SWM चेन का रजिस्ट्रेशन और मॉनिटरिंग
- सभी पर 'यूज़र फी' और स्थानीय निकायों द्वारा कचरा प्रबंधन की उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर पर्यटकों की आवक का नियमन।
- मंत्रालयों, विभागों, CPCB/SPCB/PCC और शहरी स्थानीय निकायों के लिए स्पष्ट जनादेश और कर्तव्य
- कम्पोस्टिंग, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट / बायो-डाइजेस्टर के मानक और डंपसाइट में आग लगने से रोकने के उपाय शामिल हैं।

130वां एपिसोड

25 जनवरी, 2026

मेरे प्यारे देशवासियो, हमारे देश के लोग बहुत innovative हैं | समस्याओं का समाधान ढूँढना हमारे देशवासियों के स्वभाव में है | कुछ लोग ये काम start-ups के जरिये करते हैं, तो कुछ लोग समाज की सामूहिक शक्ति से रास्ता निकालने का प्रयास करते हैं | **ऐसा ही एक प्रयास उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में सामने आया है | यहाँ से होकर गुजरने वाली तमसा नदी को लोगों ने नया जीवन दिया है | तमसा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की सजीव धारा है |**

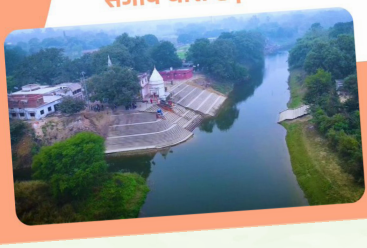

MANN KI BAAT
25 JAN 2026

साथियो, पर्यावरण संरक्षण की यही भावना आज बड़े स्तर पर भी दिखाई दे रही है । इसी सोच के साथ देशभर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान से आज करोड़ों लोग जुड़ चुके हैं । अब तक देश में 200 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाए भी जा चुके हैं । **ये बताता है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर अब लोग ज्यादा जागरूक हैं, और किसी-ना-किसी रुप में अपना योगदान देना चाहते हैं ।**

MANN KI BAAT
25 JAN 2026

MANN KI BAAT
25 JAN 2026

साथियो, आजमगढ़ हो, अनंतपुर हो, या फिर देश की कोई और जगह, ये देखकर खुशी होती है कि लोग एकजुट होकर कर्तव्य भाव से बड़े संकल्प सिद्ध कर रहे हैं | **जन-भागीदारी और सामूहिकता की यही भावना हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है |**

MANN KI BAAT
25 JAN 2026

साथियो, आज कई शहरों में ऐसी टीमें हैं, जो landfill waste की recycling में जुटी हैं | चेन्नई में ऐसी ही एक team ने बहुत बेहतरीन काम किया है | ऐसे उदाहरणों से पता चलता है कि स्वच्छता से जुड़ा हर प्रयास कितना अहम है | **हमें स्वच्छता के लिए व्यक्तिगत तौर पर या फिर टीम के तौर पर अपने प्रयास बढ़ाने होंगे, तभी हमारे शहर और बेहतर बनेंगे |**

130वां एपिसोड

25 जनवरी, 2026

फिर प्रशासन के सहयोग से यहाँ 'अनंत नीरु संरक्षणम प्रोजेक्ट' इसकी शुरुआत हुई | इस प्रयास के तहत 10 से अधिक जलाशयों को जीवन दान मिला है | उन जलाशयों में अब पानी भरने लगा है | इसके साथ ही 7000 से अधिक पेड़ भी लगाए गए हैं | यानि अनंतपुर में जल संरक्षण के साथ-साथ green cover भी बढ़ा है | **यहाँ बच्चे अब तैराकी का आनंद भी ले सकते हैं | एक प्रकार से कहें तो यहाँ का पूरा ecosystem फिर से निखर उठा है |**

साथियो, जन-भागीदारी का ऐसा ही प्रयास आंध्र-प्रदेश के अनंतपुर में भी देखने को मिला है | यह वह क्षेत्र है जो सूखे की गम्भीर समस्या से जूझता रहा है | यहाँ की मिट्टी, लाल और बलुई है | यही वजह है कि लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है | यहां के कई क्षेत्रों में लंबे समय तक बारिश नहीं होती है | कई बार तो लोग अनंतपुर की तुलना रेगिस्तान में सूखे की स्थिति से भी कर देते हैं | साथियो, इस समस्या के समाधान के लिये स्थानीय लोगों ने जलाशयों को साफ करने का संकल्प लिया |

इन युवाओं ने अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई को अपना mission बना लिया | इसके बाद ईटानगर, नाहरलागुन, दोईमुख, सेप्पा, पालिन और पासीघाट वहाँ भी ये अभियान चलाया गया | ये युवा अब तक करीब 11 लाख किलो से अधिक कचरे की सफाई कर चुके हैं | सोचिए दोस्तो, नौजवानों ने मिलकर के 11 लाख किलो कूड़ा-कचरा हटाया |

साथियो, एक और उदाहरण असम का है | असम के नागांव में वहाँ की पुरानी गलियों से लोग भावनात्मक रुप से जुड़े हैं यहां कुछ लोगों ने अपनी गलियों को मिलकर साफ करने का संकल्प लिया | धीरे-धीरे उनके साथ और लोग जुडते गए | इस तरह एक ऐसी टीम तैयार हो गई, जिसने गलियों से बहुत सारा कचरा हटा दिया | साथियो, ऐसा ही एक प्रयास बेंगलुरु में हो रहा है | **बेंगलुरु में sofa waste एक बड़ी समस्या बनकर सामने आया है इसलिए कुछ professionals एकजुट होकर इस issue को अपने तरीके से solve कर रहे हैं |**

केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में शहरी विकास पर राज्यों के साथ चर्चा

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 4 जनवरी 2026 को श्री पंकज अग्रवाल, सेक्रेटरी (पावर) के साथ जम्मू में रियासी, रामबन और किश्तवाड़ के दो दिन के दौरे पर NHPC के मुख्य प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा की।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 2 जनवरी 2026 को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) की सभी प्रमुख योजनाओं और महत्वपूर्ण परियोजनाओं को कवर करते हुए एक व्यापक बजट समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

5 जनवरी 2026 को अपनी जम्मू-कश्मीर यात्रा का समापन करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने पाकल दुल, किरू और क्वार नामक तीन परियोजनाओं की समीक्षा की और परियोजना प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक की।

केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में शहरी विकास पर राज्यों के साथ चर्चा

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 15 जनवरी 2026 को शहरी विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से उनके दिल्ली आवास पर मुलाकात की।

16 जनवरी 2026 को केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मुलाकात की और शहरी विकास की मुख्य पहलों पर चर्चा की, जिसमें पुराने कचरे का मैनेजमेंट और नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन शामिल थे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 19 जनवरी 2026 को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के साथ एक अंतर-मंत्रालयी बैठक की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र ई-कचरे से महत्वपूर्ण खनिजों की रिकवरी, विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका को मजबूत करना था।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने भारत और भूटान के बीच द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए 3 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में भूटान के ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्री माननीय ल्योनपो जेम शेरिंग के साथ एक सकारात्मक बैठक की।

राज्य मंत्री के नेतृत्व में राज्यों के साथ शहरी विकास पर महत्वपूर्ण चर्चा

19 जनवरी 2026 को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने मणिपुर का दौरा किया और राज्यपाल श्री अजय कुमार भल्ला के साथ एक शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने मणिपुर राज्य सचिवालय में मंत्रालय की योजनाओं के आकलन के लिए एक राज्य-स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लिया, इंफाल में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट का दौरा किया और काकचिंग जिले में विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। आजीविका सहायता पर स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के साथ बातचीत करने के साथ ही, उन्होंने मोरंबा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा का भी निरीक्षण किया।

मणिपुर के राज्यपाल के साथ शिष्टाचार भेंट

MoHUA की योजनाओं की राज्य-स्तरीय समीक्षा, इंफाल

स्मार्ट सिटी रिवरफ्रंट परियोजना का दौरा

काकचिंग जिले के विकास पर समीक्षा बैठक

मोरंबा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा का निरीक्षण

स्वयं सहायता समूहों के साथ बातचीत

राज्य मंत्री के नेतृत्व में राज्यों के साथ शहरी विकास पर महत्वपूर्ण चर्चा

15 जनवरी को बिलासपुर के दौरे पर आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने ग्राम मोहभट्टा के पर्यटन स्थलों पर सोलर हाई-मास्ट लाइटिंग सिस्टम का उद्घाटन किया, जिससे स्वच्छ ऊर्जा और सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

MoHUA के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 16 जनवरी 2026 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 'IRIS 2026' का उद्घाटन किया। यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन टिकाऊ अपशिष्ट आपूर्ति श्रृंखला और कम कार्बन वाले मार्गों पर केंद्रित था, जो स्वच्छ भारत मिशन 2.0, कचरा-मुक्त शहर और मिशन LiFE के लक्ष्यों के अनुरूप था।

17 जनवरी 2026 को गुवाहाटी यात्रा के दौरान MoHUA के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा से शिष्टाचार भेंट की और शहरी विकास तथा बुनियादी ढांचे से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

स्वच्छता खबरों में

New Solid Waste Management Rules notified, larger onus on bulk generators

Nikhil Ghanekar
New Delhi, January 28

FROM APRIL 1, urban and rural local bodies and 'bulk generators' ranging from residential societies, universities to government-run buildings will have to follow stricter solid waste management rules, which will replace the existing decade-old regime to collect, segregate and manage garbage in the country. The Ministry of Environment, Forest and Climate Change notified the Solid Waste Management (SWM) Rules, 2026, on Tuesday to give effect to this new framework.

The new Rules broadens the scope of responsibilities, increases linkages for reuse of waste as fuel in boilers, cement kilns, to promote circular economy, and introduces clear penalties for non-compliance. It places stringent onus on bulk generators – which account for 30 per cent of waste – to process solid waste at source.

Four streams of mandatory segregation at source – wet waste, dry waste, sanitary waste and special care waste – have been defined. This will cover waste from paper and kitchen waste to sanitary towels and diapers to tube lights, waste batteries.

Bulk generators have been defined as entities which fulfill either of these criterion – buildings with floor area of 20,000 square metres or more, water consumption of 40,000 litres per day or more, generation of 100 kg/day waste or more. This will cover central and state government departments, local bodies, commercial establishments, residential societies, universities and hostels, among others.

These bulk generators must ensure that the waste is collected, transported, and processed in an environmentally sound manner. As per a government release, this has been done to significantly reduce the burden on urban local bodies and promote waste management at source.

As part of the 'extended responsibility' placed on these bulk generators, they will be made accountable through centralised monitoring. "Bulk waste generators are required to process wet waste on-site, as far as possible or obtain an extended bulk waste generator responsibility certificate where on-site processing is not feasible," the government release said.

About 1.85 lakh tonnes/day solid waste is generated in the country, of which 1.79 lakh tonnes/day is collected, 1.14 lakh tonnes/day is processed or treated and 39,629 tonnes/day is landfilled, as per Central Pollution Control Board's 2023-24 data.

गणतंत्र दिवस समारोह में एमसी का स्वच्छता संदेश देता आकर्षक टैब्लो प्रदर्शित

सवेरा न्यूज /अमित

चंडीगढ़ 27 जनवरी : गणतंत्र दिवस पर सैक्टर-17 स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह के दौरान नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सवारी थीम पर आधारित एक आकर्षक और प्रभावशाली टैब्लो प्रस्तुत किया। यह टैब्लो शहर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने वाली निगम की अभिनव पहल को दर्शाता है। टैब्लो के माध्यम से नागरिकों से एकत्र किए जाने वाले पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, खिलौने, किताबें और अन्य पुनः उपयोग योग्य घरेलू वस्तुओं की संग्रहण व्यवस्था को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इन वस्तुओं को नगर निगम के आरआरआर (रिड्यूस, रियुज एंड रिसाइकल) स्टोर में मरम्मत व नवीनीकरण के बाद वन रुपये स्टोर के माध्यम से जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचाया जाता है, जहां प्रत्येक वस्तु मात्र 1 रुपए में उपलब्ध कराई जाती है।

परेड ग्राउड में गणतंत्र दिवस समारोह में एमसी का स्वच्छता संदेश देता आकर्षक टैब्लो (जगमोहन सिंह)

यह पहल कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों के साथ-साथ सामाजिक कल्याण को भी मजबूती देती है। इसके अलावा टैब्लो में स्रोत पर कचरा पृथक्करण के महत्व को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। इसके लिए चार अलग-अलग रंगों के डस्टबिन प्रदर्शित किए गएः नीला डस्टबिन : सूखा कचरा, हरा डस्टबिन : गीला कचरा, लाल डस्टबिन : सैनिटरी कचरा, काला डस्टबिन : खतरनाक कचरा। यह दृश्य संदेश नागरिकों को वैज्ञानिक और व्यवस्थित कचरा प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित करता है। सभी हितधारकों की सामूहिक भागीदारी और निरंतर प्रयासों से चंडीगढ़ स्वच्छता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकता है और आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकता है।

दैनिक भास्कर
चंडीगढ़ भास्कर 28-01-2026

मेयर हरप्रीत कौर बबला ने सेक्टर-17 नगर निगम कार्यालय में फहराया तिरंगा, 102 लोगों को किया सम्मानित

निगम अब पटरी पर, स्मार्ट पार्किंग-ऑनलाइन सेवाओं पर फोकसः बबला

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर सेक्टर-17 के नगर निगम कार्यालय में मेयर हरप्रीत कौर बबला ने तिरंगा फहराया और 102 कर्मचारियों, समाजसेवियों व संस्थाओं को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया। मेयर ने कहा कि नगर निगम अब पूरी तरह पटरी पर लौट चुका है और आने वाले समय में स्मार्ट पार्किंग, डिजिटल सिस्टम और ऑनलाइन सेवाओं को मजबूत करने पर खास फोकस रहेगा।

मेयर ने कहा कि वर्ष 2025 सेवा, सुधार और नवाचार का साल रहा। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बावजूद कई जनहित योजनाएं लागू की गईं। शहर की हरियाली बढ़ाने के लिए 1.31 लाख से ज्यादा पेड़-पौधे लगाए गए, सेक्टर-24 में पार्क व्यू होटल के पास नया पार्क बनाया गया और गोलचक्करों व ग्रीन बेल्ट्स को और सुंदर किया गया। स्वच्छता को लेकर भी सख्ती बरती गई। प्लास्टिक फ्री चंडीगढ़ अभियान के तहत बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया और हजारों प्लास्टिक बोतलों का रिसाइक्लिंग हुआ, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। शहर में स्ट्रीट लाइट और पार्कों की रोशनी लगातार बनाए रखने से न सिर्फ सुरक्षा बढ़ी, बल्कि खर्च में भी बचत हुई।

नगर निगम ने सीपीडीएल की कर्मचारी भावना चुघ, पर्यावरण प्रेमी राहुल महाजन व नरेश कोहली को सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें समाज सेवा के कार्यों के लिए दिया गया।

नगर निगम ने दिखाया रिड्यूस-रीयूज-रीसाइकिल मॉडल

चंडीगढ़ | गणतंत्र दिवस के मौके पर सेक्टर-17 के परेड ग्राउंड में नगर निगम की ओर से स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक टैब्लो डिस्प्ले किया गया। स्वच्छ सवारी थीम पर आधारित टैब्लो में नगर निगम की उस पहल को दर्शाया गया, जिसके तहत शहरवासियों से पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, खिलौने, किताबें और अन्य घरेलू सामान इकट्ठा किया जाता है। इसे निगम के आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल) स्टोर में ठीक करके जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाता है। टैब्लो के जरिए कचरे को घर से ही अलग-अलग करने का संदेश भी दिया गया, जिसमें नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, हरे में गीला, लाल में सैनिटरी और काले डस्टबिन में खतरनाक कचरा डालने की जानकारी दी गई।

लखनऊ बना उत्तर प्रदेश का पहला 'शत प्रतिशत कचरा संशोधित' शहर

नयी दिल्ली/लखनऊ, 21 जनवरी (वार्ता)। शहरी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और वह राज्य का पहला 'शत प्रतिशत कचरा संशोधित' (जीरो फ्रेश वेस्ट डंप) शहर बन गया है। लखनऊ ने यह उपलब्धि 'स्वच्छ भारत मिशन0शहरी' के अंतर्गत लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) द्वारा शहर के 100 प्रतिशत ठोस अपशिष्ट (कचरा) के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ हासिल की है। इस उपलब्धि की नींव शिवारि ठोस कचरा प्रबंधन संयंत्र (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट) के शुभारंभ के साथ रखी गई, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता 700 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इस प्लांट के शुरू होने के बाद लखनऊ नगर निगम के पास अब कुल तीन आधुनिक कचरा प्रसंस्करण संयंत्र हो गए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 2,100 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इससे शहर में उत्पन्न होने वाले संपूर्ण दैनिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान संभव हो गया है और खुले में कचरा डंप करने की आवश्यकता समाप्त हो गई है।

लखनऊ करीब 40 लाख की आबादी और 7.5 लाख से अधिक प्रतिष्ठानों वाला एक तेजी से बढ़ता शहरी केंद्र है। बढ़ती आबादी के साथ कचरा प्रबंधन एक बड़ी चुनौती रहा है, जिसे नगर निगम ने वैज्ञानिक अपशिष्ट निपटान, संसाधन पुनर्प्राप्ति और सतत शहरी विकास की बहु-आयामी रणनीति के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया है।

नगर निगम और भूमि ग्रीन एनर्जी के सहयोग से स्थापित तीनों संयंत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न लगभग 2,000 मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया जा रहा है। कचरे का 55 प्रतिशत जैविक और 45 प्रतिशत अजैविक वर्गों में बांटा जाता है। जैविक कचरे से कंपोस्ट और बायोगैस का उत्पादन होता है, जबकि अजैविक कचरे को पुनर्चक्रित अथवा रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) में बदलकर सीमेंट और कागज उद्योगों में उपयोग किया जा रहा है। लखनऊ में घर-घर (डोर-टू-डोर) कचरा संग्रहण की दक्षता बढ़कर 96.53 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण 70 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया है, जो शहरी स्वच्छता के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

नगर निगम के अनुसार, शहर में मौजूद लगभग 18.5 लाख मीट्रिक टन कचरे में से अब तक 12.86 लाख मीट्रिक टन कचरे का वैज्ञानिक रूप से निपटान किया जा चुका है। इस प्रक्रिया से प्राप्त 2.27 लाख मीट्रिक टन आरडीएफ देशभर के उद्योगों को सह-प्रसंस्करण के लिए भेजा गया है। इसके अलावा, 4.38 लाख मीट्रिक टन मोटा अंश, 0.59 लाख मीट्रिक टन बायो-सॉइल और 2.35 लाख मीट्रिक टन निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कचरे का उपयोग पर्यावरण अनुकूल तरीकों से निचले इलाकों के भराव और अवसंरचना विकास में किया गया है।

इस निरंतर प्रक्रिया के परिणामस्वरूप शिवारि स्थल पर 25 एकड़ से अधिक भूमि पुनः प्राप्त की गई है, जिसे अब एक पूर्ण रूप से विकसित फ्रेश वेस्ट ट्रीटमेंट हब में परिवर्तित किया जा चुका है। इस परिसर में विंडरो पैड्स, आंतरिक सड़कें, शेड, समर्पित बेटब्रिज और संपूर्ण अपशिष्ट प्रसंस्करण अवसंरचना विकसित की गई है।

भविष्य की योजना के तहत, लखनऊ नगर निगम शिवारि में एक कचरे से ऊर्जा (वेस्ट-टू-एनर्जी) (डब्ल्यूटीई) बनाने का प्लांट स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। इस प्रस्तावित 15 मेगावाट क्षमता वाला यह संयंत्र प्रतिदिन 1,000 से 1,200 मीट्रिक टन आरडीएफ का उपयोग कर बिजली उत्पादन करेगा। इससे आरडीएफ को लगभग 500 किलोमीटर दूर स्थित सीमेंट फैक्ट्रियों तक ले जाने की लागत और दूरी दोनों में कमी आएगी। लखनऊ का यह कचरा प्रबंधन संसाधनों के अधिकतम पुनः उपयोग, जमा कचरे में कमी और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। लखनऊ नगर निगम की यह पहल न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के अन्य शहरों के लिए प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभरा है।

ing She rejected allegations sations from AAP leaders that a Yamuna.

NDMC intensifies cleanliness efforts with daily multi-department drives

ANAMTA FATIMA

NEW DELHI: In a renewed push to enhance urban hygiene and civic upkeep, the New Delhi Municipal Council (NDMC) has launched daily special cleanliness drives across select neighbourhoods, under the leadership of Chairperson Keshav Chandra, IAS. The initiative, conducted jointly by the Public Health (Sanitation), Horticulture and Civil Engineering departments, aims to bring visible and sustained improvements in the overall cleanliness of NDMC areas.

The drives, carried out on December 6, covered three key locations: Kaka Nagar, the Middle Circle of E and F Block in Connaught Place, and Blocks 1 to 9 of the Central Government Employees Residential Colony at B.K.S. Marg. These areas, frequented by both residents and commuters, have been prioritised for focused upkeep due to high footfall and civic demand.

The drives were conducted at across key city zones MPOST

As part of the exercise, the civil department undertook repairs of damaged footpath tiles and strengthened walking surfaces to ensure safer mobility. Simultaneously, horticulture teams carried out grass cutting, pruning and clearing of accumulated dry leaves. The collected leaf waste is being routed for composting as part of NDMC's eco-friendly waste management practices. Sanitation teams ensured the removal of sweeping dust, silt and other debris, particularly from high-traffic pedestrian stretches.

Officials said such coordinated inter-departmental operations are designed to maintain long-term cleanliness standards across public spaces. By integrating repair, maintenance and sanitation within a single daily effort, NDMC aims to create cleaner surroundings and improve public satisfaction.

एमआर-5 पर सिंहस्थ-2016 से जमा लिगेसी वेस्ट में से 50 हजार टन खत्म

बदबू से जहां खड़े रहना है मुश्किल, भविष्य में वहां बनेगा सेल्फी पॉइंट

सफाई के बाद 20 से ज्यादा कॉलोनियों को मिलेगी बड़ी राहत

patrika.com

1 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा था कचरा

वर्षों से जमा लिगेसी वेस्ट (पुराने कचरे) के पहाड़ों को बायो माइनिंग प्रक्रिया से निष्पादन का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा

उज्जैन (दस्तक)।

अच्छी पहल • स्वच्छ अभियान में मिलेंगे अच्छे अंक, कचरे में लगने वाली आग और बदबू की समस्या भी होगी खत्म

एमआर-5 स्टेशन पर 12 साल से बन रहे कचरे के पहाड़ का सफाया शुरू, 25 से ज्यादा कॉलोनीवासियों को मिलेगी राहत

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

एमआर-5 स्थित ट्रांसफर स्टेशन पर 12 सालों से लग रहे कचरे के ढेर का निष्पादन आखिरकार शुरू हो गया है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर बायो माइनिंग की प्रक्रिया से निष्पादन चल रहा है। इससे आसपास रहने वाली 25 से ज्यादा कॉलोनियों के लोगों को राहत मिलेगी साथ ही स्वच्छ अभियान 2025 में शहर को और बेहतर अंक मिल पाएंगे। वहीं यहां बार-बार लगने वाली आग की परेशानी भी दूर हो पाएगी।

कचरे का वजन करीब डेढ़ लाख टन था। एक महीने में लगभग 50 हजार टन कचरे का निष्पादन किया जा चुका है। बाकी कचरे को भी अगले एक से डेढ़ महीने में हटाने का लक्ष्य रखा है। नगर निगम ने तीन आधुनिक ट्रामल मशीन, दो-दो पोकलेन और जेसीबी लगाई है। इससे कचरे को अलग-अलग सामग्री में बांटना आसान हुआ। नगर निगम के पास मशीनें नहीं थी, जिसके चलते सालों से कार्य नहीं हो पाया। फिलहाल निगम आयुक्त के निर्देश पर टेंडर प्रक्रिया से मशीनें बुलाई गई हैं। कचरे से बनी मिट्टी, सीएंडडी वेस्ट और आरडीएफ को अलग कर उपयोग किया जा रहा है। मिट्टी का उपयोग उद्यान विकास में, सीएंडडी वेस्ट से पेवर ब्लॉक और आरडीएफ को ज्वलनशील पदार्थ के रूप में सीमेंट फैक्ट्री में भेजा जाएगा, जिससे नगर निगम को आय भी होगी। इसे लेकर मंगलवार को निगम आयुक्त ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और पत्रकारों को बुलवाकर उन्हें भी यहां के संचालन की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवनकुमार सिंह, सहायक आयुक्त राघवेंद्रसिंह पालिया, जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार, वर्कशॉप वाहन प्रभारी उमेश बैस एवं प्लांट प्रभारी उपस्थित रहे।

कचरा सेग्रिगेशन के लिए मशीनें लगाई।

स्वच्छ सर्वेक्षण में लीगेसी वेस्ट रहा माइनस पाइंट

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में लीगेसी वेस्ट का निष्पादन न होना शहर के लिए एक माइनस पाइंट था। इससे पहले भी यह हमारे लिए कमजोर कड़ी रहा है। अब यह कचरा हट जाने से उज्जैन के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। इससे शहर की स्वच्छता और छवि देशभर में बेहतर रूप से सामने आएगी।

25 कॉलोनीवासियों को मिलेगी राहत

एमआर-5 क्षेत्र में पुराने कचरे का ढेर और यहां लगने वाली आग 25 से ज्यादा कॉलोनियों के लिए बड़ी समस्या बन गया था। कचरे से निकलने वाली बदबू और गैस ने आसपास रहने वालों को लंबे समय तक परेशान किया। आग लगने पर धुआं आसपास की कॉलोनियों में फैल जाता था, जिससे कई शिकायतें भी मिली। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक थी। गर्मी के महीनों में यहां साल में 5-6 बार आग लगती थी। बुझाने 25 से 30 हजार लीटर पानी लगता था।

यहां उद्यान और सेल्फी प्वाइंट बनाएंगे

उक्त स्थल को मैदान के रूप में विकसित करते हुए उद्यान एवं सेल्फी प्वाइंट बनाया जाएगा। यहां तकरीबन 25 से अधिक कॉलोनी के रहवासी निगम द्वारा किए जा रहे कार्य से संतुष्ट हैं, उन्हें शीघ्र यहां के कचरे, बदबू एवं गंदगी से निजात मिलेगी।
– अभिलाष मिश्रा, निगम आयुक्त

10 साल पुराने कचरे का पहाड़ अब होने लगा खत्म

एमआर 5 ट्रांसफर स्टेशन पर बनेंगा खुबसूरत उद्यान, एक महीने में 50 हजार टन वेस्ट का निपटारा

विजय उजाला

उज्जैन, निप्र। शहर के एमआर 5 स्थित ट्रांसफर स्टेशन पर पिछले दस वर्षों से अधिक समय से जमा लाखों टन लिगेसी वेस्ट (पुराना कचरा) का विशालकाय पहाड़ अब इतिहास बनने की कगार पर हैं। नगर निगम के आयुक्त अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व में बायो-माइनिंग प्रक्रिया के जरिए इस कचरे के निपटारे का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। आयुक्त स्वयं लगातार अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर काम की मॉनिटरिंग और निरीक्षण कर रहे हैं।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने मंगलवार को फिर से स्थल का निरीक्षण किया और बताया कि पिछले एक महीने से अधिक समय में करीब 50,000 टन पुराना कचरा सफलतापूर्वक निपटाया जा चुका है। आने वाले एक से डेढ़ महीने में शेष बचा हुआ पूरा लिगेसी वेस्ट हटा लिया जाएगा और यह पूरा क्षेत्र समतल मैदान का रूप ले लेगा। उल्लेखनीय है कि यहां पहले सड़क तक नहीं दिखती थी, बदबू और मच्छरों से आसपास की 25 से अधिक कॉलोनियों के लोग परेशान थे। लेकिन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के प्रयासों से अब लोगों को जल्द ही समस्याओं से स्थायी निजात मिल जाएगी।

तीन चरणों में हो रही बायो-माइनिंग

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि एमआर 5 स्थित ट्रांसफर स्टेशन पर बायो-माइनिंग का कार्य तीन चरणों में वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है, जिसमें पहले चरण के अंतर्गत मिट्टी को अलग करना (इसी मिट्टी से आगे उद्यान विकसित किया जाएगा) वहीं दूसरे चरण में सीएंडडी (निर्माण एवं विध्वंस) वेस्ट अलग करना जिससे यहीं प्लांट पर इससे पेवर ब्लॉक बनाए जाएंगे इसके अलावा तीसरे चरण के अंतर्गत आरडीएफ (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) अलग करना जिसे सीमेंट फैक्ट्रियों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जाएगा, जिससे निगम को राजस्व भी प्राप्त होगा। वर्तमान में तीन अत्याधुनिक ट्रॉमेल मशीनें दिन-रात काम कर रही हैं। जल्द ही मशीनों की संख्या, संसाधन और मानव बल बढ़ाया जाएगा ताकि काम में और तेजी आए।

बनेगा आकर्षक उद्यान और सेल्फी प्वाइंट

नगर निगम आयुक्त ने यह भी बताया कि इस कचरे के पहाड़ को खत्म करने के बाद इस पूरे क्षेत्र को एक हरे-भरे उद्यान और सेल्फी प्वाइंट के रूप में विकसित किया जाएगा। आयुक्त मिश्रा ने कहा कि हम इसे ऐसा बनाएंगे कि उज्जैन के नागरिक शाम को घूमने और परिवार के साथ समय बिताने यहां आएंगे। यह स्थान शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाएगा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवन कुमार सिंह, सहायक आयुक्त राघवेंद्र सिंह पालिया, जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार, वर्कशॉप वाहन प्रभारी उमेश बैस तथा प्लांट प्रभारी उपस्थित थे।

इनका कहना

शहरवासी जिस जागरूकता और स्वच्छता प्रेम के लिए जानी जाती है, उसी तरह घर से निकलने वाला गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखकर कचरा वाहन में दें। अगर हम आज से ही स्रोत पर पृथक्करण शुरू कर देंगे तो भविष्य में कभी भी लिगेसी वेस्ट जैसी समस्या नहीं आएगी और न ही किसी को बदबू-गंदगी का सामना करना पड़ेगा।
अभिलाष मिश्रा
आयुक्त- नगर निगम उज्जैन

'स्वच्छ भारत मिशन-शहरी' के अंतर्गत

लखनऊ बना उत्तर प्रदेश का पहला 'शत प्रतिशत कचरा संशोधित' शहर

नयी दिल्ली/लखनऊ, (पंजाब केसरी) : शहरी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और वह राज्य का पहला 'शत प्रतिशत कचरा संशोधित'(जीरो फ्रेश वेस्ट डंप) शहर बन गया है। लखनऊ ने यह उपलब्धि 'स्वच्छ भारत मिशन-शहरी' के अंतर्गत लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) द्वारा शहर के 100 प्रतिशत ठोस अपशिष्ट (कचरा) के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ हासिल की है। इस उपलब्धि की नींव शिवारि ठोस कचरा प्रबंधन संयंत्र (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट) के शुभारंभ के साथ रखी गई, जिसकी प्रसंस्करण क्षमता 700 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इस प्लांट के शुरू होने के बाद लखनऊ नगर निगम के पास अब कुल तीन आधुनिक कचरा प्रसंस्करण संयंत्र हो गए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 2,100 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इससे शहर में उत्पन्न होने वाले संपूर्ण दैनिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान संभव हो गया है और खुले में कचरा डंप करने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। लखनऊ करीब 40 लाख की आबादी और 7.5 लाख से अधिक प्रतिष्ठानों वाला एक तेजी से बढ़ता शहरी केंद, है। बढ़ती आबादी के साथ कचरा प्रबंधन एक बड़ चुनौती रहा है, जिसे नगर निगम ने वैज्ञानिक अपशिष्ट निपटान, संसाधन पुनर्प्राप्ति और सतत शहरी विकास की बहु-आयामी रणनीति के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया है। नगर निगम और भूमि ग्रीन एनर्जी के सहयोग से स्थापित तीनों संयंत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न लगभग 2,000 मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया जा रहा है। कचरे का 55 प्रतिशत जैविक और 45 प्रतिशत अजैविक वर्गों में बांटा जाता है। जैविक कचरे से कंपोस्ट और बायोगैस का उत्पादन होता है, जबकि अजैविक कचरे को पुनर्चक्रित अथवा रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) में बदलकर सीमेंट और कागज उद्योगों में उपयोग किया जा रहा है। लखनऊ में घर-घर (डोर-टू-डोर) कचरा संग्रहण की दक्षता बढ़कर 96.53 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण 70 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया है, जो शहरी स्वच्छता के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

आदमपुर छावनी में रोजाना बनेगा कचरे से 400 टन टेरिफाइड चारकोल, प्लांट का ट्रायल रन शुरू

खत्म होगी रोजाना इकट्ठा होने वाले सूखे कचरे को निपटाने की समस्या, एनटीपीसी बनाएगा बिजली

जागरण संवाददता, भोपाल। नगर निगम की आदमपुर छावनी स्थित कचरा खंती में जल्दी ही रोजाना 400 टन सूखे कचरे से टेरिफाइड चारकोल का निर्माण किया जाएगा और इस टेरिफाइड चारकोल को जलाकर नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनटीपीसी) के पावर प्लांट में बिजली बनाई जाएगी। बता दें कि लगभग चार सालों से प्रस्तावित 80 करोड़ का चारकोल प्लांट बनकर तैयार हो गया है और जल्दी ही इसका ट्रायल रन शुरू किया जाएगा। बता दें कि शहर में रोजाना 850 टन कचरा निकलता है, जिसमें लगभग 400 टन कचरा सूखा होता है। इसी सूखे कचरे से टेरिफाइड चारकोल का निर्माण किया जा रहा है। नगर निगम भोपाल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन-2021 के नियमों के तहत एनटीपीसी के साथ मिलकर इस चारकोल प्लांट का निर्माण कर रहा है। वाराणसी के बाद भोपाल दूसरा ऐसा शहर है, जहां रोजाना ही कचरे से बिजली बनाई जाएगी। यह पावर प्लाट आदमपुर छावनी की 15 एकड़ जमीन पर लगाया जा रहा है। जब यह पावर प्लांट अपनी पूरी क्षमता से काम करने लगेगा तो नगर निगम को रोजाना ही शहर से निकलने वाले आधे से ज्यादा कचरे से निजात मिल जाएगी। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस पावर प्लांट के ट्रायल रन की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। इस प्लांट के बन जाने से निगम को हर साल कचरा प्रबंधन पर खर्च होने वाले 30 करोड़ रुपए की बचत होगी। साथ ही कचरे की बिक्री से कुछ आय होने की भी उम्मीद है। वहीं कचरे के सुरक्षित तरीके से जलने के कारण पर्यावरण संरक्षण होगा और स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त होगी।

पथरीली जमीन के चलते पिछड़ा निर्माण कार्य : पहले इस पावर प्लांट का निर्माण कार्य पथरीली जमीन के चलते रुक गया था। 2021 में प्लांट पर पहुंचे एनटीपीसी के एक दल ने पाया था कि जिस जगह पर प्लांट का निर्माण प्रस्तावित है। वह जमीन पथरीली है। चट्टाने होने के चलते प्रोजेक्ट की लागत दोगुनी होने की बात कही गई थी। क्योंकि ड्रिल करने में दोगुने से ज्यादा लागत आती। जिसके चलते मामला कुछ समय तक अटका रहा था।

इस तरह बनेगा चारकोल : शहर के 90 फीसदी घरों से कचरा कलेक्ट करने के लिए डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाहन लगा रखे हैं। यह वाहन कचरा ट्रांसफर स्टेशनों तक कचरा लाते है। यहां से सूखा गीला कचरा अलग अलग कर कैप्सूल में भरकर आदमपुर छावनी स्थित लैंडफिल साइट पहुंचाया जाता है। इसी सूखे कचरे में से पालीथिन युक्त कचरे को टेरिफाइड चारकोल में बदलने के लिए कंप्रेस कर ब्लॉक्स बनाए जाएंगे, जो कोयले का काम करेंगे। इसको जलाकर निगम बिजली बनाएगा।एनटीपीसी ने ही पर्यावरण विभाग से अनुमति हासिल की है।

स्वच्छता खबरों में

गणतंत्र दिवस पर निगम की झांकी से दिया स्वच्छता का संदेश•पीआरओ

आकर्षक झांकी से दिया स्वच्छता का संदेश

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : गणतंत्र दिवस के अवसर पर सेक्टर-17 स्थित परेड ग्राउंड में नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सवारी थीम पर एक आकर्षक और प्रभावशाली झांकी प्रस्तुत की गई। इस झांकी के माध्यम से नगर निगम की अभिनव पहल को दर्शाया गया, जिसमें नागरिकों से पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, खिलौने, किताबें और अन्य दोबारा उपयोग योग्य सामान एकत्र किए जाते हैं। एक सामग्री को नगर निगम आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज रीसायकल) स्टोर में सुधार जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचाया है। इन वस्तुओं को वन रुपया के माध्यम से मात्र एक रुपये प्रतीकात्मक कीमत पर उप कराया जाता है।

MC tableau displayed during R-Day parade

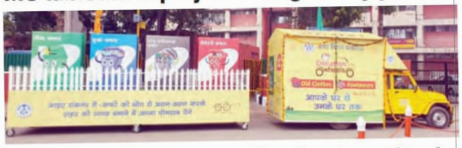

PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, January 27

Municipal Corporation Chandigarh put up an attractive and impactful tableau under the Swachh Bharat Mission on the theme "Swachh Sawari". The tableau effectively showcased the innovative initiative of MCC for collection of old clothes, footwear, toys, books and other reusable household items from citizens.

The collected material is refurbished at the MCC RRR (Reduce, Reuse and Recycle) Store and subsequently redistributed among the needy sections of society through One Rupee Store sales, wherein each item is made available at a nominal cost of ₹1. This initiative beautifully symbolizes the core principles of sustainability Reduce, Reuse and Recycle, while promoting social welfare and responsible consumption.

स्वच्छता के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना मुख्य उद्देश्य

स्वच्छ लोहड़ी कार्यक्रम में कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने लिया करनाल को नंबर-1 बनाने का संकल्प

करनाल। नगर निगम कार्यालय प्रांगण में स्वच्छ लोहड़ी कार्यक्रम मनाते कर्मचारी और विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ करनाल

नगर निगम कार्यालय प्रांगण में केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वच्छ लोहड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना तथा शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व निगम स्टाफ ने करनाल को स्वच्छता सूची में नंबर-1 पर लाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार ने की। इस दौरान वरिष्ठ लेखा अधिकारी बलविन्द्र कुमार जग्घी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में करनाल शहर को शीर्ष स्थान पर लाने के लिए नगर निगम निरंतर विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर रहा है। इसी श्रृंखला में मंगलवार को स्वच्छ लोहड़ी कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें सभी ने स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दोहराया।

अतिरिक्त निगम आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक जीवनशैली है, जिसे प्रत्येक नागरिक को अपनाना चाहिए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सफाई निरीक्षक मनदीप सिंह व संदीप कुमार, स्वच्छ भारत मिशन शहरी टीम से ट्रिगर मास्टर गुरदेव सिंह व अंकित, नगर निगम के कर्मचारी तथा दिवेन, वीवान, आयान, शैरिल, कैविन, ध्रुव, चयन, लक्ष्य, सपना, बतेरी सहित अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने लोगों से अपील की कि घर के आसपास कचरा न फैलाएं और प्लास्टिक, कागज तथा जैविक कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालें। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, सड़कों व पार्कों में कचरा न फेंकने और डस्टबिन का उपयोग करने का संदेश दिया।

ढोल की थाप पर नृत्य, गिद्दा और पंजाबी बोलियों के साथ रंग में रंगे योग साधक

करनाल। श्रीकृष्णा मंदिर सेक्टर-14 में योग कक्षा द्वारा प्रातः लोहड़ी का पर्व बड़े ही उल्लास, उमंग और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी योग शिक्षक और योग साधक एकत्रित हुए तथा लोहड़ी पर्व को सांस्कृतिक भावनाओं के साथ मनाते हुए आपसी सौहार्द और एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत लोहड़ी से संबंधित गीतों के साथ की गई। इसके बाद सभी ने मिलकर लोहड़ी पूजन किया और ढोल की थाप पर नृत्य करते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। पंजाबी बोलियों और गिद्दे के साथ पूरा माहौल उत्सवमय बन गया और सभी इस रंग-बिरंगे पर्व के आनंद में डूबे नजर आए। इस अवसर पर दिनेश गुलाटी ने उपस्थित लोगों को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लोहड़ी का पर्व केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि इसका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व भी है। त्योहार हमारी संस्कृति और रीति-रिवाजों को जीवंत रखने का माध्यम हैं, इसलिए हमें इन्हें सद्भावना और आनंद के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोहड़ी का महत्त्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह पर्व नई फसल के तैयार होने की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन सूर्यदेव और अग्निदेव को फसल समर्पित कर उनका आभार व्यक्त किया जाता है और किसान अच्छी पैदावार व समृद्धि की कामना करते हैं। कार्यक्रम के दौरान रेवड़ी, गजक और मूंगफली की भी विशेष धूम रही। इस अवसर पर योग शिक्षक बरखा जिंदल, नवीन जिंदल, वीणा सेठ, मंजू शर्मा, ईशा धवन, रितु, ईशा मोगिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Bilaspur Main - 18 Jan 2026 - Page 7

केंद्रीय राज्य मंत्री ने समयबद्ध पूर्णता पर दिया जोर

मणिपुर में तोखन ने की शहरी विकास योजनाओं की समीक्षा

इम्फाल। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने शनिवार को मणिपुर के आधिकारिक दौरे के दौरान राज्य में संचालित विभिन्न केंद्रीय शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इम्फाल पहुँचने पर हवाई अड्डे पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी,आवास एवं शहरी विकास निगम,राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के प्रतिनिधियों तथा नागरिक समाज के सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

राज्य सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठकों में मंत्री ने शहरी विकास पहलों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का आकलन किया। राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान स्वच्छ भारत मिशन,अटल मिशन फॉर रीजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (नगर कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन) तथा प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री ने इन योजनाओं के प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए। राज्य सरकार के अधिकारियों ने योजनाओं में सुधार का आश्वासन दिया। विभागीय समीक्षा के दौरान केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी विकास निगम तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। मंत्री ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने आवास एवं शहरी विकास निगम को नव-प्रारंभ किए गए एकीकृत शहरी सूचना कार्यप्रणाली पोर्टल (यूआईविन पोर्टल) के माध्यम से शहरी स्थानीय निकायों की पहुँच बढ़ाने की सलाह दी। समीक्षा बैठकों के बाद श्री साहू ने मणिपुर के राज्यपाल श्री अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की और राज्य के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया। इसके पश्चात वे काकचिंग जिले के लिए रवाना हुए, जहाँ जिला दंडाधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकासात्मक गतिविधियों पर बैठक की। बैठक में स्थानीय विधायक

दिन के अंत में मंत्री ने छब्बीसवाँ सेक्टर असम राइफल्स मुख्यालय पहुँचकर अधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्रीय महत्व के विषयों तथा सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।रविवार को वे क्षेत्र का दौरा कर स्वयं सहायता समूहों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Nyaydhani - 18 Jan 2026 - 18nyay4
epaper.navabharat.news

मणिपुर में शहरी विकास योजनाओं की तोखन ने की समीक्षा, समयबद्ध पूर्णता पर दिया जोर

जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का किया आंकलन

नवभारत रिपोर्टर । बिलासपुर

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने शनिवार को मणिपुर के आधिकारिक दौरे के दौरान इंफाल के कांकचिंग में राज्य में संचालित विभिन्न केंद्रीय शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इम्फाल पहुंचने पर हवाई अड्डे पर राज्य सरकार के वरिष्ठ हालेलुजाह, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी विकास निगम, राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के प्रतिनिधियों तथा नागरिक समाज के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। राज्य सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठकों में मंत्री ने शहरी विकास पहलों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का आंकलन किया। राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान स्वच्छ भारत मिशन,अटल मिशन फॉर रीजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (नगर कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन) तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री ने इन योजनाओं के प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए। राज्य सरकार के अधिकारियों ने योजनाओं में सुधार का आश्वासन दिया।

शहरी स्थानीय निकायों की पहुंच बढ़ाने की दी सलाह: *विभागीय समीक्षा के दौरान केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी विकास निगम तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। मंत्री ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने आवास एवं शहरी विकास निगम को नव-प्रारंभ किए गए एकीकृत शहरी सूचना कार्यप्रणाली पोर्टल (यूआईविन पोर्टल) के माध्यम से शहरी स्थानीय निकायों की पहुंच बढ़ाने की सलाह दी। समीक्षा बैठकों के बाद तोखन साहू ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की और राज्य के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया। इसके पश्चात वे काकचिंग जिले के लिए रवाना हुए, जहा जिला दंडाधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकासात्मक गतिविधियों पर बैठक की। बैठक में स्थानीय विधायक रामेश्वर सिंह भी उपस्थित रहे। दिन के अंत में मंत्री ने छब्बीसवां सेक्टर असम राइफल्स मुख्यालय पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्रीय महत्व के विषयों तथा सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।*

Swachh Lohri celebrated in MC giving message of cleanliness: Additional MC Commissioner

SHIV KUMAR SHARMA
KARNAL, JAN 13

A Swachh Lohri programme was organised on the Municipal Corporation office premises on the instructions of the Central Ministry of Urban Development and Housing. On this occasion, the importance of cleanliness was emphasized, and everyone was made aware of the need for cleanliness. The programme was presided over by Additional Municipal Commissioner Ashok Kumar. Senior Accounts Officer Balwinder Kumar Jaggi was also present at the programme. The Additional Municipal Commissioner said that under the Swachh Bharat Mission, the Municipal Corporation organizes various activities to bring Karnal city to number 1 in the cleanliness ranking in Swachh Survekshan 2025-26. The Swachh Lohri programme was celebrated on Tuesday. Employees and students pledged to make Karnal the cleanest city.

General public can also use the library and workshop facilities of the Govt ITI: Anil Kumar Doon

YAGYADUTT SHASTRI

PEHOWA: Sub-Divisional Officer (Civil) Anil Kumar Doon informed that now the general public can also use the library and workshop facilities of the Government ITI. For this, the state government has launched a special online portal for the general public. Through this portal, common citizens will now be able to avail these facilities. SDM Anil Kumar Doon said that the state government had made this announcement in the budget year 2025-26. The government has now fulfilled the announcement, and the Directorate of Skill Development and Industrial Training, Haryana, has launched an online portal for the general public. He said that through the portal launched by the Directorate of Skill Development and Industrial Training, common citizens will be able to use the library of the government ITI and use workshop equipment and tools. They will also be able to make advance bookings for the facilities through online registration. He said that this portal will serve as a historic initiative to provide a new direction to skill development by the state government. The Directorate of Skill Development and Industrial Training has officially made this portal available to the general public.

He said that cleanliness is not just about hygiene, but a lifestyle that the city dwellers should adopt. Citizens should not litter around their homes. Plastic, paper, and organic waste should be put in separate dustbins. Keep public places clean. Use dustbins instead of throwing garbage on roads and in parks. Save water and electricity and stop their unnecessary use. He said that citizens will have to take collective responsibility to maintain cleanliness. Citizens should run neighborhood cleanliness campaigns together with their neighbors. These small steps will make the city healthy and beautiful, and our city will be able to become the cleanest city in the country. He said that cleanliness is service.

CHARCOAL PLANT to be commissioned in city

NTPC team reviews final preparations

400 tons of dry waste to be processed daily into torrefied charcoal

■ **Staff Reporter**

In a significant leap towards sustainable waste management, the capital city is set to operationalize one of the country's most advanced torrefied charcoal plants. Established through a strategic collaboration between the Bhopal Municipal Corporation (BMC) and the National Thermal Power Corporation (NTPC), the facility at Adampur Chhawani is moving into its final trial phase.

On Friday, a high-level delegation of senior NTPC officials conducted an extensive inspection of the plant to review the technical readiness before the commencement of the official trial run.The plant is engineered to process 400 tons of dry municipal waste daily, converting it into high-energy torrefied charcoal. This initiative is expected to set a new benchmark in urban sanitation by reducing landfill pressure and mitigating pollution.The inspection team, including NTPC Senior Manager Domendra Singh, Project In-charge Saad Ali, and Assistant General Manager Raghvendra Singh, meticulously audited the machinery and automated systems to ensure compliance with global standards.

NTPC officials inspecting the Textile Recovery Plant machinery at Anna Nagar.

Inspection of Recovery Facilities

Beyond the primary charcoal plant, the NTPC delegation also visited the 'Coconut Processing Plant' at the Danapani Garbage Transfer Station and the 'Textile Recovery Plant' in Anna Nagar. The officials observed the innovative processes used to repurpose coconut husks and discarded fabrics into marketable products. The delegation lauded the Municipal Corporation's circular economy initiatives, highlighting Bhopal's leadership in multi-stream waste recovery.

Powering the Grid with Green Fuel

Once fully operational, the high-quality torrefied charcoal produced at the Adampur facility will be supplied to NTPC's thermal power stations. This 'green coal' will serve as a sustainable alternative to traditional coal, significantly lowering the carbon footprint of electricity generation.

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

लखनऊ नगर निगम एवं लुलु इंडिया मॉल की संयुक्त पहल से झूलेलाल घाट पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। जिसमें 100+ वॉलंटियर्स ने सक्रिय सहभागिता कर गोमती नदी के किनारे सफाई की और #SwachhAadat से #SwachhBharat का संकल्प लिया। #GarbageFreeCities

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

New Solid Waste Management Rules 2026

Here's what changes from April 1, 2026 - Strengthening waste management through clearer responsibilities, stronger compliance, and a sharper focus on sustainability and accountability. #SwachhBharat

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

राजस्थान में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने हेतु अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन 2026 का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी व ब्रांड एम्बेसडर रणदीप हुड्डा की उपस्थिति में हुआ। मैराथन में 18,600+ प्रतिभागियों ने भाग लेकर स्वच्छता का संदेश दिया।

sbmurbangov
NIKO • vácuo (slowed)

1.1K · View insights
Boost post

View insights
Boost post

94 · 2

Liked by **sbmurbanassam** and others

sbmurbangov

View insights
Boost post

52 · 3

Liked by **sbmurbanassam** and others

Swachh Bharat Mission - Urban
February 6 at 5:22 PM

लखनऊ नगर निगम एवं लुलु इंडिया मॉल की संयुक्त पहल से झूलेलाल घाट पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। जिसमें 100+ वॉलंटियर्स ने सक्रिय सहभागिता कर गोमती नदी के किनारे सफा... **See more**

Swachh Bharat Mission - Urban
February 5 at 2:24 PM

From garbage to garden magic! ✨♻️
Margao Municipal Council turned a vulnerable waste spot into a cheerful green spot 🌱—proof that small swachh aadats create big change!... **See more**

Swachh Bharat Mission - Urban
January 29 at 11:51 AM

This #RepublicDay, ULBs across Assam spread the message of #SwachhAadat se #SwachhBharat by showcasing #Swachhhabits—waste segregation, no littering, no spitting, sayin... **See more**

स्वच्छ भारत मिशन के बारे में अधिक जानकारी के लिए

फॉलो करें:

Swachh Bharat Mission – Urban | @SwachhBharatGov | sbm_urban | Swachh Bharat Urban | swachh-bharat-urban